दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 28.03.2022

प्रकाशनार्थ

दिग्विजय नाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा एक विशिष्ट व्याख्यान विषय–"वाणिज्य शिक्षा में संभावनाएं" का आयोजन किया गया। जिसमें **मुख्य अतिथि डॉ. विजय कुमार तिवारी, असिस्टेंट प्रोफेसर, राजकीय महाविद्यालय सुकरौली बाजार, कुशीनगर** ने अपने उद्बोधन में बताया कि व्यापार, उद्योग एवं वाणिज्य का ज्ञान प्राप्त करने के लिए वाणिज्य शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है वाणिज्य के छात्रों के लिए विभिन्न पाठ्यक्रम उपलब्ध है जो उन्हें उद्योगों में नौकरी के लिए आवश्यक ज्ञान एवं दक्षता प्राप्त करने में मदद करता है वर्तमान परिदृश्य में सब कुछ डिजिटल हो गया है वाणिज्य के छात्रों के लिए विभिन्न पेशेवर अवसर उपलब्ध है जैसे सी. ए., सी. एम. ए. एवं सी. एस. आदि हैं छात्रों को अपने जीवन मैं आगे बढ़ने के लिए विषयों के बारे में ज्ञान एवं समाज का निर्माण करने के लिए सक्षम बनाते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह जी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वाणिज्य एक अध्ययन का विषय है और साथ ही यह एक ऐसी क्रिया है जिसके अंतर्गत हम लेखांकन, करारोपण, प्रबंध, विपणन एवं अंकेक्षण आदि सभी क्रियाएं सम्मिलित होती है जिसका प्रयोग सभी जगहों चाहे वह एक निजी संस्था हो या सरकारी संस्था हो किया जाता हैं उन्होंने प्रबंध के विषय में बताया कि किसी संस्था के प्रबंधन के क्षेत्र में कैसे एक प्रबंधक भौतिक एवं मानवीय संसाधनों का व्यवस्थित रूप से संयोजन करता है जिससे संस्था अपने उद्देश्यों को प्राप्त कर सके। उन्होंने बताया की सफलता तनाव प्रबंधन की कला है और संगठन के कार्य क्षमता को बढ़ाने के लिए कहा कि कार्य की दशाएं अनुकूल होनी चाहिए जिसके संदर्भ में उन्होंने एल्टन मेयो द्वारा हॉर्थोन प्रयोग का अध्ययन मानव संबंध सिद्धांत एवं हर्राकी सिद्धांत और लूथर गुलिक के पोस्डकार्ब का उदाहरण देते हुए बहुत ही सरल शब्दों में छात्रों को समझाया।

कार्यक्रम का संयोजन वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. संजीव कुमार सिंह तथा प्रस्ताविकी श्रीमती रानी द्विवेदी और कार्यक्रम का संचालन डॉ संजय कुमार त्रिपाठी तथा आभार ज्ञापन डॉ. चण्डी प्रसाद पाण्डेय के द्वारा किया गया उक्त कार्यक्रम में डॉ. दीपक कुमार साहनी, डॉ. धीरेन्द्र सिंह, डॉ. शैलेश सिंह, श्री विकास पाठक एवं महाविद्यालय के अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

प्रो.(ओम प्रकाश सिंह)
प्राचार्य